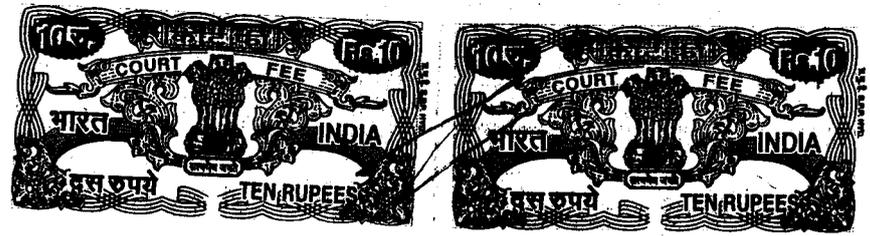


105

3

565  
20-9-13

न्यायालय श्रीमान् राजस्व मण्डल उप खण्ड रोवा जिला रोवा म.प्र.



प्र  
२०

R-4368-11/13

रामचन्द्र कुम्हार तथा सुखदेव कुम्हार उम 32 वर्ष निवासी ग्राम दधमानिया तहसील देवसर वर्तमान तहसील सरई जिला सिंगरौली म.प्र. ----- निगरानीकर्ता का नाम.

हीरा सिंह वगै.

----- गैर निगरानीकर्ता

अधिवक्ता श्री उमेशकुमार पटेल,  
डाटा प्रस्तुत।  
रीवा, दि. 20-9-13

निगरानी विरुद्ध आदेश अर आ युक्त जिला रोवा का प्रकरण क्रमांक 1586 / अमील 11-12 आदेश दिनांक - 2.09.13

निगरानी अन्तर्गत धारा 50 मध्य प्रदेश भू. रा. संहिता 1959 ई.।

मान्यवर,

2-12-17

आवेदन के आधार निम्न है :-

- 1:- यह कि अधीनस्थ न्यायालय का आदेश विधि विरुद्ध होने से निरस्त किये जाने योग्य है ।
- 2:- यह कि अधीनस्थ न्यायालय के द्वारा भूमि स्वामी आवेदक को वर्ष 1984 के अनुसार ठकुरस्थापन के आराजी पर पददा प्राप्त किये जाने हेतु आवेदन प्राप्त किया था आवेदक के द्वारा आवेदन पत्र में 2-10 / 1984-85 से 1987 तक खसरे की नकल ना प्राप्त होने से नही पेश की गयी थी तथा विवादित जमीन में नाला पक्वारी द्वारा उल्लेख कर दिया था खसरे में लोकन मौके पर नाला नही था कृषि योग्य

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

आदेश पृष्ठ

भाग - अ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 4368-तीन/2013

जिला सिंगरौली

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
15-5-2017	<p>आवेदक द्वारा यह निगरानी अपर आयुक्त रीवा के प्रकरण क्रमांक 1580/अपील/2011-12 में पारित आदेश दिनांक 2-9-2013 के विरुद्ध प्रस्तुत की है। प्रश्नाधीन आदेश में अपर आयुक्त ने उनके समक्ष अपील को संहिता में संशोधन के बाद प्रस्तुत की जाना तथा निगरानी के विरुद्ध अपील नहीं किये जाने संबंधी निष्कर्ष निकाला है। विधि का यह सुस्थापित सिद्धांत है कि निगरानी के विरुद्ध अपील वर्जित है। इसलिए अपर आयुक्त द्वारा निकाला गया निष्कर्ष विधिअनुकूल प्रकट होता है जिसमें हस्तक्षेप इस निगरानी में नहीं किया जा सकता है। दर्शित परिस्थितियों में यह निगरानी आधारहीन होने से ग्राह्यता के स्तर पर ही निरस्त की जाती है। पक्षकार सूचित हो। प्रकरण दाखिल/रिकार्ड हो।</p> <p style="text-align: right;">(एस.एस. अली) सदस्य</p>	